MARKING SCHEME - PRACTICE PAPER- 2020-21
CLASS XII ECONOMICS (030)

प्रश्न संख्या	उत्तर	अंक
1	(c) ग -स्टॉक, समय-बिन्दु	1
2	(b)	1
3	भारत में विदेशी मुद्रा की पूर्ति में वृद्धि करेगा ।	1
4	‘’मुद्रा को "एक ऐसी वस्तु के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसे वस्तु और सेवाओं के विनिमय या ऋणों के पुनर्भुगतान क लिए स्वीकार किया जाता है"	1
5	माँग जमाए वे जमाए होती हैं. जिन्हे बैंक को अनिवार्य रूप से माँग करने पर लोंटाना होता है ।	1
6	(b)	1
7	K=ΔY/ΔI या 1/MPS=ΔY/ΔI या 1/0.25=ΔY/250 या आय में परिवर्तन =1000	1/2 1/2
8	क	1
9	ख	1
10	ख	1
11	क) घरेलू आय से अधिक राष्ट्रीय आय केवल तभी संभव है जब विदेश से शुद्ध कारक आय सकारात्मक हो। दूसरों के शब्दों में जब विदेशों से अर्जित आय ,विदेशों द्वारा अर्जित आय से अधिक हो । बी) मौद्रिक आय की आर्थिक कल्याण के उपाय के रूप में अपनी सीमाएं हैं क्योंकि मौद्रिक आय में वृद्धि , उत्पादन स्थिर होने या घटने के बावजूद मूल्य-वृद्धि के कारण, संभव हो सकती है। जब जीडीपी को स्थिर मूल्य पर मापा जाता है तो यह वास्तव में आर्थिक विकास या कल्याण के स्तर को दर्शाता है क्योंकि स्थिर मूल्य पर घरेलू आय केवल तब बढ़ सकती है जब उत्पादन में वृद्धि होती है ।	1+1/2 1+1/2

https://www.evidyarthi.in

12	पूंजी खाते के घटकों में देश के सामान्य निवासी और सरकार की उन मदों का लेखा होता है जो संपत्ति या देनदारियों की स्थिति में परिवर्तन का कारण बनते हैं। अवयव क) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और विदेशी संस्था-गत निवेश से जुड़ी मदों का लेखा । ख) विदेशी ऋण-अंतर्राष्ट्रीय संस्था या विदेशी सरकार द्वारा दिए गए ऋण । ग) निजी आधिकारिक लेन-देन के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में बदलाव लाने वाली मदें । या भुगतान शेष में असमानता के कारण क) विकसात्मक कार्य व निवेश से जुड़े कार्यक्रम ख) व्यापार चक्र ग) बाहरी ऋण घ) मुद्रास्फीति की उच्च दर ण) आयात प्राप्ति व निर्यात व्यय में असंतुलन कोई तीन कारणों की सही व्याख्या	1 1 1

evidyarthi

13	C=100 + 0.75Y सम-स्तर बिन्दु पर आय व उपभोग बराबर होते है । or Y=C Or Y=100+0.75Y OR Y-O.75Y=100 Y=400 Now, Value of multiplier K=1/1-mpc K=1/1-0.75 K=1/0.25 K= 4	2 2
14	मुद्रा गुणक : यह वह गुणांक है जो प्राथमिक जमा के फलस्वरूप कुल जमाओं होने वाली गुणात्मकवृद्धि दर्शाता है । वाणिज्यिक बैंकों द्वारा मुद्रा निर्माण (या क्रेडिट निर्माण) दो कारकों पर निर्भर करता है 1) प्रारंभिक जमा की राशि 2) एलआरआर साख निर्माण = प्रारंभिक जमा x 1 / LRR संख्यात्मक उदाहरण	1 2 1
15	निवेश गुणक का मूल्य प्रत्यक्ष रूप से सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति पर निर्भर करता है।(MPC) सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति के अधिक होने का अर्थ है निवेश गुणक का अधिक मूल्य, इसलिए निवेश गुणक -MPC के न्यूनतम मूल्य पर न्यूनतम होता है व MPC का न्यूनतम मूल्य शून्य है। अतः हम कह सकते हैं कि जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति शून्य के बराबर होगी तो गुणक का मूल्य न्यूनतम होगा। आय का संतुलन बिन्दु =1200 करोड़ आय में परिवर्तन =2000 - 1200 = 800 MPC=3 MPS क्योंकि MPC + MPS=1	2

https://www.evidyarthi.in

	अतः MPC = ¾ K =1/1-3/4 =4 अब K =आय में परिवर्तन / निवेश में परिवर्तन 4= 800/ निवेश में परिवर्तन निवेश में परिवर्तन = 200 या 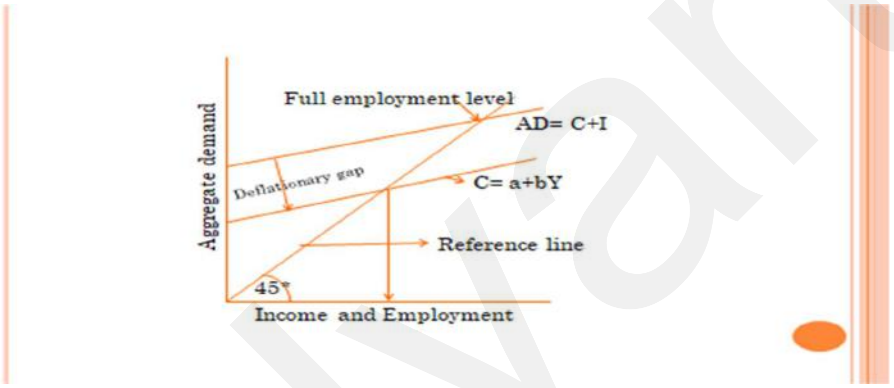 आरेख व उसकी सही व्याख्या	2
16	उत्पादन विधि NNP_{FC}=(i + v + viii) -iii + xi - iv (300+200+700) -150 + 20 -120=950 व्यय विधि NNP_{FC} = (ii + x) + (vi + vii) + ix - iv + xi = (750+150) +(220-20) - 50 - 120 + 20 = 900+200 - 150 = 950 OR	3 3

evidyarthi
https://www.evidyarthi.in

	क) वृद्धावस्था पेंशन बदले में किसी भी उत्पादक सेवा को प्रदान किए बिना प्राप्त होती है । यह एकपक्षीय भुगतान है और इसलिए इसे हस्तांतरण भुगतान के रूप में माना जाता है। जबकि सेवानिवृत्त भुगतान संस्था को सेवा प्रदान करने के लिए है और इसलिए केवल उसी व्यक्ति को देय है जिसने सेवा प्रदान की है। सेवानिवृत्त पेंशन आय अर्जित की जाती है इसलिए यह राष्ट्रीय आय में शामिल है। ख) निर्यात के लिए चुने गए उत्पादन को एक देश की घरेलू सीमा में ही उत्पादित किया जाता है इसलिए यह घरेलू आय का एक हिस्सा है। ग अंतिम वस्तु को या तो उपभोक्ता द्वारा व्यक्तिगत उपयोग के लिए या निर्माता द्वारा निवेश के लिए खरीदी जाती है, ये पुनर्विक्रय या उत्पादन के विभिन्न चरणों में प्रयोग नहीं की जाती हैं। जबकि मध्यवर्ती वस्तुए कच्चे-माल के रूप में या उसी वर्ष पुनर्विक्रय के लिए खरीदी जाती है। इसलिए अगर हम घरेलू आय में मध्यवर्ती वस्तुओं को शामिल करते हैं तो इससे दोहरी गणना की समस्या होती है।	2 2 2
17	क) पूंजीगत प्राप्ति के मुख्य घटक। 1) ऋणों की वसूली। 2) विनिवेश 3) उधारी 4) छोटी बचतें सही स्पष्टीकरण के साथ कोई 3 ख) संसाधनों का पुनःस्थापन - सही स्पष्टीकरण के साथ।	3 3
18	(b) रेल	1
19	(b) उदारीकरण	1
20	(d) कैलोरी सेवन	1
21	(a) अभिकथन (A) व कारण (R) दोनों सत्य है और कारण (R) अभिकथन (A) का सही विवरण है ।	1

https://www.evidyarthi.in

22	(c) भारत नैन 1980 क पश्चात एक संतान नीति के कारण अपनी जनसंख्या पर नियंत्रण पाया ।	1
23	(b) दूरसंचार	1
24	अप्रत्यक्ष	1
25	(b) यह आर्थिक विकास में सहायक है ।	1
26	(d) उपरोक्त सभी	1
27	1987	1
28	सरकारी उपक्रमों में भर्ती के माध्यम से प्रत्यक्ष रोज़गार सृजन। इनमें उत्पादन की वृद्धि के फलस्वरूप अप्रत्यक्ष रूप से रोज़गार सृजन और अन्य छोटे-बड़े जुड़े हुए अन्य उद्योगों में रोज़गार के अवसर पैदा होते हैं। या अधिकांश आबादी गांवों में रहती है। यह रोज़गार के अवसर पैदा करेगा औरअवसरों के अभाव के कारण पलायन को रोकेगा। यह शिक्षा और कौशल विकास के अवसर पैदा करेगा।	3
29	भूमंडलीय उष्मिकरण से अभिप्राय पृथ्वी के वायुमंडल और महासागरों के औसत तापमान में देखी गई और मापी गई अनुमानित वृद्धि से है। यह मुख्यतः वायुमंडल में, ग्रीनहाउस गैसों जैसे जल वाष्प, कार्बन डाइऑक्साइड मीथेन और ओज़ोन की मात्रा बढ़ने या उनका संकेन्द्रण होने के कारण होती है	3
30	यह उन क्षेत्रों की भविष्यवाणी करने में मदद करता है जो खाद्य असुरक्षा या उससे जुड़ी समस्यों से ग्रसित है या जिन्हे ऐसी समस्याएं हो सकती है। यह उभरती हुई प्रौद्योगिकी के बारे में जानकारी प्रसारित करता है। यह रोजगार के अवसर पैदा करती है। यह गाँव को ज्ञान केंद्र बनाती है।	4
31	सार्वजनिक निवेश में कमी, सब्सिडी को हटाना, नकदी फसलों की ओर रुख और उदारीकरण और आयात शुल्क में कमी। या बेहतर तकनीक और सूचना क्षेत्र का विकास, वहनीय और कुशल जनशक्ति, मुख्य सेवा क्षेत्रों का बेहतर प्रदर्शन और आर्थिक सुधार।	4

https://www.evidyarthi.in

32	मानव विकास संकेतकों में चीन, भारत और पाकिस्तान से आगे है। चीन का क्रम,आय से जुड़े संकेतकों जैसे सकल घरेलू उत्पाद या स्वास्थ्य संकेतक जैसे स्वच्छता तक पहुंच, साक्षरता, जीवन प्रत्याशा या कुपोषण के संदर्भ दोनों देशों से बेहतर है। शिक्षा, स्वच्छता और पानी तक पहुंच में पाकिस्तान का प्रदर्शन भारत से बेहतर है। गरीबों की संख्या का सबसे बड़ा भाग भारत में रहता है।	4
33	क) आय की असमानताओं को कम करने के लिए अनुदान महत्वपूर्ण है। यह किसानों को कृषि आदानों को विक्रय करने में सक्षम बनाता है। ख) आर्थिक विकास का एक अच्छा संकेतक सकल घरेलू उत्पाद में नियमित वृद्धि है। यह लोगों को अधिक समृद्ध और विविध जीवन का आनंद लेने में सक्षम बनाता है। समानता का उद्देश्य भी सभी लोगों के जीवन स्तर को उच्च करना है।	3 3
34	जनसंख्या की उच्च वृद्धि, प्रतिभा पलायन , अपर्याप्त संसाधन, बेरोजगारी या संसाधनों का अकुशल उपयोग और विधालय व विश्वविद्यालयी शिक्षा के बीच संसाधनों के वितरण में असंतुलन आदि। या बुनियादी ढांचे का विकास, उत्पादकता बढ़ाने के लिए कृषि प्रथाओं का उन्नयन, गरीबों को कौशल प्राप्त करने के लिए प्रेरित करना, गरीबों की पहचान कर उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करना और परिवार नियोजन के लाभों के बारे में जागरूकता आदि।	6

https://www.evidyarthi.in